राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज)

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद– 500 030

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए नियत कार्य के विषय

पाठ्यक्रम का शीर्षक– 101 : कृषि विस्तार प्रबंधन की भूमिका

1. विस्तार कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध उद्यम के किसानों को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण का कार्य किया जाता है, जहाँ किसान शिक्षित नहीं होते, आयु–वर्ग के अंतर के कारण समझने में असमानता आदि होती है। विस्तार शिक्षा औपचारिक शिक्षा से कैसे अलग है? हमारे किसानों के लिए विस्तार जैसे अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली बेहतर उपयोगी क्यों है? उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

2. सरकारी विस्तार किसानों की खेती संबंधी ज़रूरतों की पूर्ति के लिए प्रमुख एजेंसी है। लेकिन पर्याप्त काम न करने या पद्धतियों को निरंतर बदलने के कारण सरकारी विस्तार की आलोचना की जाती है। 1970 से भारत में पालन की जानेवाली प्रमुख विस्तार–पद्धतियों एवं उनके गुणों व दोषों पर तथा अपने अनुभव–क्षेत्र के उदाहरण सहित आपकी पसंदीदा पद्धति पर चर्चा कीजिए।

3. भारत सरकार ने 10वीं एवं 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि में 4% वृद्धि पाने के लिए कई प्रमुख कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। उन प्रमुख कार्यक्रमों का विश्लेषण कीजिए कि क्या वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में वांछित वृद्धि पाने में सफल रहे या नहीं?

4. विस्तार की मुख्य सोच किसानों में वांछित उत्पादन व्यवहार लाना है। कम प्रगतिशील गाँव में दत्तक श्रेणियों एवं किसानों की अवस्थाओं का लाभ उठाते हुए वांछित उत्पादन व्यवहार प्राप्त करने के लिए विभिन्न विस्तार पद्धतियों का इस्तेमाल करते हुए एक विस्तार–नीति का बनाइए।

5. केरल बागवानी विकास कार्यक्रम (के एच डी पी) छोटे स्तर में फल व सब्जी का उत्पादन करनेवाले किसानों की मदद के लिए सरकारी विस्तार की अभिव्यक्ति है। माल हितैषी समूह के बारे में अपनी जानकारी के आधार पर के. एच. डी. पी. का विश्लेषण कीजिए तथा अपने राज्य/जिले के लिए उपयुक्त माल हितैषी समूह का प्रक्रिया सहित सुझाव दीजिए।

6. प्रौद्योगिकी का विकास एवं प्रचार–प्रसार अक्सर स्थान–विशेष नहीं होता, जिससे सरकारी निधि एवं प्रयासों का नुकसान होता है। चूँकि आप रणनीतिक अनुसंधान एवं विस्तार योजना के प्रभावी हैं, इसलिए अपने प्रक्षेत्र अनुभवों में सामंजस्य बिठाते हुए सभी साझेदारों को शामिल करते हुए सूक्ष्म रूप से विश्लेषण कीजिए कि संगत प्रौद्योगिकियों के विकास एवं प्रचार–प्रसार में रणनीतिक अनुसंधान एवं विस्तार योजना कैसे कार्य कर सकती है?

7. कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के लिए ज्ञान के केन्द्र हैं। अधिदेशित लक्ष्यों को पाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका का, अपनी समझ एवं किसानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों और विकास विभागों के विस्तार कार्यकर्ताओं से की गई चर्चाओं के आधार पर सूक्ष्म रूप से विश्लेषण कीजिए।

8. वर्तमान समय में अकेले सरकारी विस्तार किसानों की बढ़ती माँगों की पूर्ति नहीं कर सकता। इसलिए इस उद्देश्य के लिए निजी व्यक्तियों या एजेंसियों को लाना ज़रूरी है। एक विस्तार कार्यकर्ता होने के नाते किसी गाँव/तहसील को लेते हुए उस क्षेत्र में कार्यरत सरकारी–निजी विस्तार एजेंसियों पर ध्यान देते हुए सरकारी–निजी साझेदारी पद्धति का विकास कीजिए।

पाठ्यक्रम का शीर्षक– 102 : कृषि–नवाचारों का संप्रेषण

1. संप्रेषण किसी भी संगठन का जीवन–रक्षा उपाय है। एक संगठन के लिए विभिन्न संप्रेषण की विधियों और संगठन को क्रियाशील बनाने के लिए इनकी भूमिका पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
2. कल की विधियों का आज प्रयोग कर कोई कल के व्यवसाय में टिक नहीं सकता। उक्त कथन के आधार पर नवाचार का हस्तांतरण कृषि एवं संबद्ध विज्ञान में बहुत ही मुख्य बन गया है। नवाचार प्रसार प्रक्रिया द्वारा समय व्यर्थ गँवाए बिना सामाजिक प्रणाली में कैसे नवाचार को त्वरित गति से फैलाया जा सकता है?
3. प्रशिक्षण के द्वारा क्षमता–निर्माण विस्तार कार्यकर्ता का एक प्रमुख आयाम है। विस्तार कार्यकर्ता के क्षमता–निर्माण में ध्यान से सुनने एवं पढ़ने की कुशलता के प्रभावकारिता पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
4. प्रक्षेत्र प्रसारण की पटकथा लिखने में शामिल विभिन्न चरणों को लेते हुए अपने पसंद की किसी भी प्रौद्योगिकी पर 10 मिनट के प्रक्षेत्र प्रसारण (टी.वी.) की 'पटकथा' बनाइए।
5. राय –गाँव का प्रमुख नेता नवाचार को न अपनानेवालों को समय व्यर्थ न गँवाए इसे अपनाने की प्रेरणा देते हैं। उचित उदाहरण सहित इस तथ्य का समर्थन कीजिए।
6. प्रौद्योगिकी–हस्तांतरण में परंपरागत लोक माध्यम, रूढ़िगत एवं आधुनिक माध्यम के जैसा ही महत्वपूर्ण है। अपना पसंदीदा तीन लोक रूपों का चयन कीजिए तथा सामुदायिक रेडियो के द्वारा प्रसारित करने के लिए संगत प्रौद्योगिकियों को लेते हुए पटकथा विकसित कीजिए।
7. एक विस्तार कार्यकर्ता के रूप में, अगर आपको किसी संगत विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है तो आप प्रस्तुतिकरण कुशलता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देते हुए कैसे प्रभावी व्याख्यान दे सकेंगे? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
8. प्रौद्योगिकी–हस्तांतरण प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों पर संप्रेषण की बाधाएँ होती हैं। विस्तार से वर्णन कीजिए कि विभिन्न कार्यकर्ता संबंधी, संगठनात्मक, मानसिक एवं अन्य बाधाएँ क्या–क्या हैं तथा विस्तार कार्य में इनका समाधान कैसे किया जा सकता है?
9. संगठनात्मक विकास में मौखिक एवं गैर–मौखिक संप्रेषण।
10. संप्रेषण में तोड़–मरोड़ – संगठन एवं विस्तार कार्यकर्ताओं पर इसके परिणाम का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम का शीर्षक– 103 : विस्तार प्रबंधन के सिद्धांत एवं प्रयोग

1. प्रशिक्षण विस्तार कार्यकर्ताओं के क्षमता–निर्माण के लिए कृषि–विकास की प्रक्रिया में चौथा प्रमुख आयाम है। प्रशिक्षण–प्रक्रिया के समस्त पहलुओं पर ध्यान देते हुए आपके पसंदीदा विषय के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास कीजिए।

2. किसी संगठन में मानव–संसाधन के प्रभावी उपयोग के लिए न केवल उत्पादन–दृष्टिकोण का वरन् वैयक्तिक/सामूहिक रवैया एवं व्यवहार का महत्वपूर्ण प्रभाव है। जक्स्टापोसिंग स्वभाव संबंधी दृष्टिकोण के माध्यम से स्वभाव संबंधी प्रक्रियाओं का विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

3. किसी संगठन को एक निर्धारित समय में उत्पादकता प्राप्त करने के लिए अनुकूल निवेश–उत्पादन–अनुपात पर ज़ोर देना चाहिए। एक विस्तार संगठन के प्रबंधक के रूप में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि आप प्रबंधन के सभी सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए उक्त लक्ष्य कैसे प्राप्त करेंगे?

4. किसी भी संगठन में समस्याओं के कारण मतभेद एवं कम उत्पादकता होती है। विस्तार से वर्णन कीजिए किए मतभेद एवं समस्याओं के समाधान के दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए संगठन को कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है?

5. विस्तार से विश्लेषण कीजिए कि अभिप्रेरणा एवं व्यक्तित्व विकास की अवधारणा के फ़ायदों को लेते हुए कैसे संगठन में वाँछित वातावरण का सृजन किया जा सकता है?

6. प्रक्षेत्र स्तर के विस्तार कार्यकर्ता, अर्थात् मानव संसाधन, द्वारा की जा रही प्रौद्योगिकी–हस्तांतरण में मुख्य है विस्तार। उदाहरण सहित विस्तार से वर्णन कीजिए कि विस्तार संगठनों में मानव संसाधन प्रबंधन एवं मानव संसाधन योजना कितना महत्वपूर्ण है?

7. आपके व्यक्तिगत अनुभव एवं पाठ्यक्रम से पाई गई जानकारी के आधार पर विस्तार से वर्णन कीजिए कि किसानों में कृषि संबंधी नवाचारों के प्रभावी प्रसार के लिए विस्तार कार्यकर्ताओं में क्षमता–निर्माण एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में प्रशिक्षण कैसे मदद करता है?

8. समुदाय की उन्नत आजीविका हेतु उत्पादकता बढ़ाने, मूल्य–संवर्धन एवं बाज़ार–समझ के लिए माल/फसल–विशेष नेतृत्व विकास मुख्य है। उपयुक्त प्रक्षेत्र–मामले सहित विश्लेषण कीजिए कि विस्तार कार्यकर्ता/किसानों में कैसे नेतृत्व गुण का विकास किया जाए ताकि उनके अनुचरों में सकारात्मक प्रभाव डाल सके।

9. अगर नई चुनौतियों को नियत नहीं किया जाता है तो संगठन एवं नियोक्ता खुश होते हैं। नई चुनौतियों का सामना करने के लिए मानव संसाधन एवं संगठन की क्षमता/कुशलता को समझना चाहिए। विस्तार से विश्लेषण कीजिए कि कार्यनिष्पादन मूल्यांकन पद्धति द्वारा संगठनात्मक प्रभावकारिता में कैसे सुधार लाया जा सकता है?

10. प्रशिक्षण विधियाँ प्रशिक्षण के अभिन्न अंग है, जो चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यक्तियों की आंतरिक क्रियाशीलता को बदलने में मदद करती हैं। विस्तार कार्यकर्ताओं के क्षमता–निर्माण हेतु परंपरागत एवं आधुनिक प्रशिक्षण विधियों के गुण एवं दोषों का अपने अनुभव के आधार पर विस्तार से वर्णन कीजिए।

पाठ्यक्रम का शीर्षक– 104 : कृषि विस्तार में सहभागी दृष्टिकोण

1. किसानों एवं गाँववालों की भागीदारी से ही जल–विभाजक कार्यक्रम टिकाऊ होगा। आपके क्षेत्र के कुछ वस्तुस्थिति अध्ययन सहित जल–विभाजक प्रबंधन में अपनाई जा रही सहभागी प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. स्थान संबंधी सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन तकनीक –स्थान संबंधी सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन तकनीक का प्रयोग करते हुए दो अलग–अलग गाँवों के जनसंख्या संबंधी लक्षणों व संसाधनों का वर्णन कीजिए।
3. लोगों की भागीदारी से किसी भी कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है। आपको क्यों लगता है कि भागीदारी अनिवार्य है तथा सामुदायिक भागीदारी के लिए आप क्या–क्या कदम उठाएँगे?
4. सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन बनाम परंपरागत पद्धतियाँ – सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन पद्धति के गुणों व दोषों का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।
5. वैज्ञानिकों एवं विस्तार कार्यकर्ताओं ने किसानों को प्रौद्योगिकियों के विकास एवं प्रचार–प्रसार में निवेश–धारक बनाने के फ़ायदे पहचान लिए हैं। त्वरित गति से प्रसार के लिए सहभागी प्रौद्योगिकी विकास एवं सहभागी प्रौद्योगिकी प्रचार–प्रसार, इसकी प्रक्रिया एवं लाभ के बारे में आप क्या जानते हैं?
6. देशी तकनीकी ज्ञान – अपने पसंद के मामले का उल्लेख करते हुए वर्तमान कृषि में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।
7. नेताओं की राय ग्रामीण समुदायों को विशेष रूप से प्रभावित करती है – विभिन्न नेतृत्व शैलियों एवं किसानों पर उनके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।
8. सामूहिक कृषि – विभिन्न दृष्टिकोण – उनके गुण/लाभ उदाहरण सहित समझाइए।
9. मतभेद प्रबंधन– मतभेदों का प्रबंधन कैसे और क्यों किया जाता है? सभी सदस्यों के योगदान से किसी समूह की सफलता का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
10. सहभागी दृष्टिकोण एवं सामूहिक क्रियाशीलता – सहभागी दृष्टिकोण में सामूहिक क्रियाशीलता कैसे चलती है तथा समुदाय पर इसका क्या प्रभाव है?

पाठ्यक्रम का शीर्षक – 105 : कृषि विस्तार में अनुसंधान पद्धतियाँ

1. सिद्धांत एवं सैद्धांतिक अवधारणाओं के विकास के लिए विस्तार शिक्षा में अनुसंधान अनिवार्य है। विस्तार अनुसंधान में उपयोग किए जानेवाले अनुसंधा–अभिकलन के विभिन्न प्रकारों का तथा उनके प्रयोग के क्षेत्रों का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।
2. साहित्य की समीक्षा विस्तार अनुसंधान का एक प्रमुख चरण है। अनुसंधान–समस्याओं की पहचान एवं अध्ययन के लिए सामान्य एवं विशेष उद्देश्यों तैयार करने में साहित्य की समीक्षा कैसे कार्य करती है? पंचायत राज प्रणाली में महिला सरपंचों के कार्यनिष्पादन पर सामान्य एवं विशेष उद्देश्य तैयार कीजिए।
3. प्रश्नावली एवं साक्षात्कार तालिका समाज विज्ञान अनुसंधान में आँकड़ा इकट्ठा करने में उपयोग किए जानेवाले दो प्रमुख साधन हैं। उक्त साधनों को तैयार करते समय शामिल प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए काल्पनिक उदाहरण लेते हुए एक प्रश्नावली एवं साक्षात्कार तालिका तैयार कीजिए।
4. परिणामों के प्रभाव एवं सामान्यीकरण के लिए समाज विज्ञान अनुसंधान के लिए मुख्य है प्रतिचयन। इस बात के समर्थन के लिए प्रक्षेत्र उदाहरण सहित विभिन्न प्रतिचयन प्रक्रियाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
5. विकासात्मक मुद्दों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए सामाजिक तथ्य को स्पष्ट करना विस्तार अनुसंधान का लक्ष्य है। आप विकास विभागों में विस्तार/समाज विज्ञान अनुसंधान की उपयोगिता को कैसे स्पष्ट करेंगे? प्रक्षेत्र उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
6. विस्तार अनुसंधान में प्रतिचयन विधियों की समीक्षा कीजिए तथा अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नई विधियों का वर्णन कीजिए।
7. मूलभूत क्षेत्र, प्राथमिकता क्षेत्र, रणनीतिक एवं नीतिपरक क्षेत्र, अनुप्रयुक्त क्षेत्र, कार्य क्षेत्र, दत्तक क्षेत्र आदि व्यापक क्षेत्रों के अंतर्गत विस्तार में अनुसंधान योग्य क्षेत्रों की समीक्षा एवं पहचान कीजिए।

पाठ्यक्रम : कृषि विस्तार प्रबंधन – 201 : बाज़ार प्रधान विस्तार

1. आपूर्ति–संचालित कृषि–विपणन से माँग–संचालित कृषि–विपणन की ओर आदर्श बदलने का संक्षिप्त इतिहास का वर्णन कीजिए।
2. बाज़ार प्रधान कृषि विस्तार में उत्पादक एवं ग्राहक दोनों को अधिकाधिक लाभ प्रदान करने के लिए आप कौन–सी महत्वपूर्ण व्यवस्था का सुझाव देंगे?
3. जैविक उत्पादों के विपणन के लिए किस प्रकार की बाज़ार–विकास–संरचना और/अथवा प्रणाली अनिवार्य है?
4. भारत में कृषि–विपणन के बदलते परिदृश्य में विस्तार कार्यकर्ता को कौन–सी नई भूमिका निभानी है?
5. लाभ/संतुष्टि बढ़ाने के लिए बज़ार–समझ और/अथवा बाजार सूचना सेवाएँ उत्पादकों, विस्तार सेवा प्रदायकों, थोक व्यपारियों और ग्राहकों की कैसे मदद करती हैं?
6. स्पष्टीकरण सहित वर्णन कीजिए कि कैसे अनुबंध खेती लाभ बढ़ाती है तथा यह उत्पादकों एवं कृषि–व्यवसाय केन्द्रों के लिए कैसे लाभदायक होती है?
7. कृषि–विपणन पर आदर्श कार्य के विभिन्न एवं अनिवार्य विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
8. विश्व व्यापार संगठन ने भारतीय कृषि परिदृश्य को कैसे प्रभावित किया है तथा विस्तार सेवा प्रदायकों को कौन–सा सबक सीखना चाहिए?

पाठ्यक्रम : कृषि विस्तार प्रबंधन – 202 : कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम विकास

1. कृषि–व्यवसाय उद्यमिता के लिए क्षमता–निर्माण हेतु आवश्यक कदम एवं अनिवार्य कारक क्या–क्या हैं?
2. भारतीय ग्रामीण बाज़ार – इसकी मौलिक विशेषताएँ क्या–क्या हैं तथा सफलता के लिए ग्रामीण बाज़ार रणनीति का विकास कैसे किया जाना चाहिए?
3. सफल कृषि–उद्यमी बनने के लिए कौन–सा उद्यम–लक्षण चाहिए?
4. व्यवसाय में अत्यंत महत्वपूर्ण चालू संपत्ति है नगद। प्रभावी रूप से नगद के प्रबंधन के लिए कौन–सी उद्यम–कुशलताएँ आवश्यक हैं तथा इनको कैसे संभालना चाहिए?
5. कृषक बाज़ार – बाज़ारोन्मुख कृषि विकास के लिए एक नवाचारी कृषक–अनुकूल पद्धति। विभिन्न राज्यों में हाल ही में किए गए सर्वेक्षण ने किसानों, बाज़ार चलानेवालों और ग्राहकों द्वारा सामना की जानेवाली कई समस्याओं को दर्शाया है। प्रणाली की सफलता के लिए इन समस्याओं के समाधान हेतु आप कौन–से उपाय सुझाएँगे?
6. बाज़ार में अग्रगामी एवं पश्चगामी संपर्क के अनिवार्य लक्षण क्या–क्या हैं? सभी निवेश धारकों के लिए लाभकारी होने हेतु विशेष उद्देश्य से इनका प्रबंधन कैसे किया जा सकता है?
7. माल बाज़ारों के विशेषक अंगों को स्पष्ट कीजिए तथा आज तक भारत में माल बाज़ार के सफल उदाहरण क्या–क्या हैं?
8. कृषि–व्यवसाय उद्यम में गोदाम अनिवार्य हैं तथा कृषि–उद्यमियों को इसकी गहरी जानकारी होनी चाहिए। इसलिए गोदाम, गोदाम रसीद, इसके कार्य एवं द्विपक्षी प्रबंधन को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

पाठ्यक्रम : कृषि विस्तार प्रबंधन – 203 : कृषि विस्तार में परियोजना प्रबंधन

1. परियोजना के लक्षण कैसे परियोजना की सफलता निर्धारित करते हैं – उदाहरण सहित समर्थन कीजिए।
2. परियोजना की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित तरीके से अपनाई जानेवाली प्रक्रियाएँ क्या–ऽ क्या हैं?
3. जोख़िम के प्रबंधन में शामिल नाज़ुक चरण स्पष्ट कीजिए।
4. कृषि में परियोजना प्रबंधन में मानव–कारक क्यों महत्वपूर्ण हैं?
5. नेटवर्क द्वारा परियोजना के नियंत्रण के फ़ायदे क्या–क्या हैं?
6. कृषि परियोजना प्रबंधन में शामिल सामाजिक लागत एवं लाभ का वर्णन कीजिए।
7. परियोजना प्रबंधक के अत्यंत प्रमुख लक्षण क्या–क्या हैं तथा परियोजना के लक्ष्य तक पहुँचने में ये लक्षण कैसे उनकी मदद करते हैं?
8. वित्तीय विश्लेषण – परियोजना की सफलता और विफलता को निर्धारित करने का कारक है – समर्थन कीजिए।

पाठ्यक्रम : कृषि विस्तार प्रबंधन – 204 : कृषि–विकास के लिए सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी

1. वैश्विक सूचना प्रणाली क्या है? इसके कार्य एवं अंग क्या–क्या हैं तथा यह कैसे कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान करती है?
2. क्या सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी एवं इसके उपयोग कृषि में तकनीकी–हस्तांतरण प्रणाली में क्रांति ला सकती है?
3. क्या सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी कृषि विस्तार प्रक्रिया में विस्तार कार्यकर्ताओं के किसानों के साथ के सीधे संपर्क का स्थान ले सकती है? उपयुक्त स्पष्टीकरण सहित विचार प्रकट कीजिए।
4. क्या भारत में छोटे एवं सीमांत किसानों की बड़ी बहुमत सहित धान की फसलों में तकनीकी–हस्तांतरण के लिए विशेषणज्ञ प्रणाली लाने के लिए समय सही है?
5. वैश्विक सूचना प्रणाली के साथ वैश्विक बदलाव का परिदृश्य एवं कृषि विकास प्रक्रिया में इसके सकारात्मक प्रभाव का वर्णन कीजिए।
6. कृषि–क्रियाओं में सुदूर संवेदी आँकड़े कैसे अधिकतम लाभ सहित नवाचारी कृषि की संभावना को बढ़ाते हैं?
7. कृषि विकास कार्यक्रमों में प्रभावी एवं सार्थक तकनीकी–प्रसार के लिए ई–विस्तार कैसे कार्य करता है?
8. कृषि–विस्तार सेवा में एवं वितरण प्रणालियों में विस्तार को लाने से क्या–क्या लाभ हैं?

पाठ्यक्रम : कृषि विस्तार प्रबंधन – 205 : कृषि में टिकाऊ आजीविका

1. कृषि को टिकाऊ बनाने के मूलभूत सिद्धांत क्या–क्या हैं? टिकाऊ कृषि के अंग क्या–क्या हैं?
2. जैव–विविधता एवं कृषि–पारिस्थितिकी–प्रणाली के अनुरक्षण में टिकाऊ खेती कैसे मदद करती है? उपयुक्त प्रक्षेत्र उदाहरण सहित विस्तृत उत्तर दीजिए।
3. ग्रामीण आजीविका सुरक्षा के अनुरक्षण में टिकाऊ पशुधन उत्पादन प्रक्रिा कैसे मदद करती है?
4. ज़मीन एवं पशुओं के अधिकतम उपयोग के लिए फसल–पशुधन मिश्रित खेती कैसे कार्य करती है, जिससे किसानों को ज्यादा–सा–ज्यादा लाभ प्राप्त हो सकते हैं?
5. भारत में समुद्री मात्स्यिकी में सस्योत्तर प्रौद्योगिकी एवं मूल्य–संवर्धन का क्या महत्व है?
6. भारतीय समुद्री मात्स्यिकी विकास के लिए भविष्य की रणनितियों का वर्णन कीजिए तथा यह कैसे मछली पालनेवालों एवं मत्स्य उद्योगों की मदद करेंगी?
7. कार्प के प्रजनन के लिए उत्तरदायी कारकों का वर्णन कीजिए तथा भारत में कार्प के अधिक उत्पादन में उत्प्रेरित प्रजनन तकनीक कैसे मदद करेगा?
8. पशुधन कैसे समग्र टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा ला सकता है?

परियोजना रिपोर्ट के विषय, कृषि विस्तार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

1. प्रवास को रोकने एवं टिकाऊ खेती के लिए सरकारी–निजी–पंचायत राज निकायों की भूमिका।
2. प्रक्षेत्र नवाचार का प्रसार एवं अपनाना – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।
3. ज्ञान, कौशल एवं व्यवहार में परिवर्तन के संदर्भ में कृषि पाठशाला पद्धति के माध्यम से श्रोताओं की प्रतिक्रिया के तरीके।
4. भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए दो चयनित मुख्य कार्यक्रमों का सामाजिक लागत एवं लाभ का विश्लेषण।
5. नई विस्तार पद्धतियों, जैसे आत्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, का आलोचनात्मक मूल्यांकन ।
6. कृषकों की आय को बढ़ाने में कृषि उत्पादक कंपनियों की भूमिका एवं इनके प्रभाव का अध्यन।
7. अनुसंधान–विस्तार–किसानों से संपर्क – इसके दोष एवं संपर्क को मज़बूत करने की आवश्यकता।
8. कृषि नवाचारों में सूचना संप्रेषण तकनीकी की भूमिका।
9. ग्रामीण समुदायों में संप्रेषण अथवा देशी तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण तथा खेती की लागत को कम करने में इसका प्रभाव।
10. नवाचार के प्रसार के लिए परंपरागत एवं आधुनिक माध्यमों का उपयोग करते हुए संप्रेषण नीति का विकास कीजिए।
11. महिलाओं को आजीविका के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को मज़बूरी से अपनाना पड़ता है, जिसको कृषि में नारीत्व कहा जाता है। लेकिन उनके लिए प्रक्षेत्र नवाचारों की उपलब्धता पर आशंका है। कृषि में महिलाओं के लिए संप्रेषण नीति का विश्लेषण तथा सुझाव दीजिए।
12. कठिन मेहनत प्रक्षेत्र एवं घरेलू कार्यों में नवाचर के फैलाव को रोकता है। प्रक्षेत्र महिला के दृष्टिकोण में कठिन मेहनत की पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन कीजिए।
13. सिंचित या अधिगृहीत क्षेत्रों के अधीन किसानों का पारस्पकि एवं सामूहिक संप्रेषण व्यवहार।
14. आत्मा जैसे अभिमुखीकरण कार्यक्रमों में कई साझेदारों के हितों का टकराव एवं इसके प्रबंधन का विस्तार से अध्ययन कीजिए।
15. अपने राज्य में विस्तार प्रणालियों का कार्यनिष्पादन मूल्यांकन एवं प्रभाव।
16. विभिन्न साझेदारों – किसान, विस्तार कार्यकर्ता, कृषि प्रसंस्करणकर्ता, विपणन करनेवाले एवं अन्य लोगों – का क्षमता–निर्माण।
17. आपके संगठन द्वारा विकास–कार्यक्रम को लागू करने में संगठनात्मक वातावरण एवं मध्यम स्तर के विस्तार कार्यकर्ताओं का रोज़गार कार्यनिष्पादन।
18. प्रक्षेत्र एवं घरेलू गतिविधियों में महिलाओं के समय का उपयोग एवं निर्णय लेने के तरीकों पर अध्ययन।
19. विस्तार कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक भूमिका, तनाव एवं रोज़गार निष्पादन।
20. ग्रामीण महिलाओं के उद्यम–व्यवहार पर अध्ययन।
21. आपके द्वारा अध्ययन की गई सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन तकनीकों का प्रयोग करते हुए एक चयनित गाँव की सूक्ष्म योजना बनाइए।
22. आपके कार्य–स्थल में लागू की गई परियोजना की सहभागी योजना एवं निगरानी आप कैसे करेंगे?
23. जनोन्मुख कार्यक्रम के विकास के लिए सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन का प्रयोग करते हुए एक गाँव की तकनीकी आवश्यकता पहचानिए।
24. समूह पद्धति द्वारा बाज़ारोन्मुख विस्तार – सशक्तिकरण में इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

25. समय से संबंधित सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन – कृषि विकास में इसका प्रयोग एवं प्रभाव।
26. क्षमता–निर्माण – किसानों एवं विस्तार कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका।
27. अपने क्षेत्र एवं प्रक्रिया सहित गतिविधि का काल्पनिक उदाहरण लेते हुए एक ज्ञान परीक्षण (ज्ञान मापने का साधन) विकसित कीजिए।
28. एक विस्तार कार्यकर्ता के रूप में सफल मामलों का विस्तृत उपयोग करते हुए आपका वस्तुस्थिति अध्ययन विधि से कहाँ सामना हुआ है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सरकारी–निजी साझेदारी।
29. कृषि विस्तार में अनुसंधान विधियों से लाभ लेते हुए ''मूल्य–संवर्धन में ग्रामीण उद्यमी'' पर काल्पनिक प्रतिमान का विकास कीजिए।
30. रिपोर्ट लेखन के विभिन्न चरणों पर विचार करते हुए अपनी पसंदीदा किसी ग्रामीण विकास गतिविधि पर महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी कार्यक्रम पर रिर्पोट बनाइए।
31. प्रक्षेत्र साक्षरता स्तरों को मापने के लिए एक साधन का विकास कीजिए।
32. अपनी पसंदीदा गाँव की अनुसंधान योग्य समस्या की पहचान कीजिए – अध्ययन के लिए उद्देश्य, कल्पना एवं परिवर्तियाँ बनाइए।
33. भारत में कृषि बाज़ार समझ प्रणाली – समस्याएँ एवं संभावनाएँ।
34. कृषि उत्पाद का आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन – अवसर एवं संभावनाएँ।
35. राष्ट्रीय कृषि नीति – अवसर एवं सीमाएँ।
36. वायदा व्यापार एवं माल विपणन – भारत में कृषि विपणन में नया परिदृश्य।
37. व्यवसाय से उद्यमिता तक – प्रक्षेत्र उत्पादकों एवं ग्राहकों की मदद करने के लिए कृषि–व्यवसाय प्रबंधन में अत्यधिक वांछित परिवर्तन।
38. कृषि–क्लिनिक एवं कृषि–व्यवसाय केन्द्र – किसानों के लिए एक विशाल सहायता।
39. प्रक्षेत्र उद्यम – शुरूआत के लिए रणनीतिक मार्गदर्शिका – सभी कृषि–उद्यमियों के लिए अत्यंत आवश्यक।
40. ग्रामीण विपणन – कृषि व्यवसाय उद्यम में नया क्षितिज।
41. परियोजना प्रबंधन क्यों और कैसे? कृषि विस्तार में परियोजना प्रबंधन के लिए विस्तार कार्यकर्ताओं की मार्गदर्शिका।
42. मानव पहलू – कृषि विस्तार में परियोजना प्रबंधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक – एक विशेष विश्लेषण।
43. सफल परियोजनाएँ नेटवर्क के माध्यम से नियंत्रित की जाती हैं – एक विस्तृत विवरण।
44. एक कृषि परियोजना की व्यावसायिक एवं वित्तीय व्यवहार्यता – इसकी सफलता का अत्यंत महत्वपूर्ण निर्धारक।
45. सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी – भारत में कृषि विस्तार सेवाओं में एक नया परिदृश्य।
46. प्रौद्योगिकी प्रसार प्रक्रिया में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी को लाने के द्वारा भारतीय कृषि का बदलता परिदृश्य।
47. सुदूर संवेदन – कृषि में इसका प्रयोग एवं प्रभाव।
48. ई–विस्तार – कृषि विस्तार सेवाओं में प्रतिमान का परिवर्तन आसानी से एवं सक्षमता से करोड़ों किसानों तक पहुँचता है।
49. एकीकृत कृषि प्रणाली – कृषि में टिकाऊ आजीविका की कुंजी।
50. भारत में पशुधन उत्पादन एवं विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन क्रियाएँ।
51. एकीकृत कीट प्रबंधन – टिकाऊ कृषि विकास प्रक्रिया में एक नया आयाम।
52. भारत में समुद्री मात्स्यिकी का प्रबंधन एवं विकास – इसके आर्थिक प्रभाव का एक गहरा विश्लेषण।